**ग्रामीण कृषि मौसम सेवा**
भारत मौसम विज्ञान विभाग
राष्ट्रीय बागवानी अनुसंधान और विकास फाउंडेशन
नई दिल्ली

# मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

**दिनांक : 12-07-2022**

**दक्षिण-पश्चिमी-दिल्ली(दिल्ली का एन.सी.टी.) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2022-07-12 ( अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)**

| मौसम कारक | 2022-07-13 | 2022-07-14 | 2022-07-15 | 2022-07-16 | 2022-07-17 |
|---|---|---|---|---|---|
| वर्षा (मिमी) | 50.0 | 2.0 | 1.0 | 1.0 | 1.0 |
| अधिकतम तापमान(से.) | 33.0 | 36.0 | 37.0 | 36.0 | 37.0 |
| न्यूनतम तापमान(से.) | 26.0 | 28.0 | 28.0 | 27.0 | 26.0 |
| अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 100 | 95 | 90 | 90 | 85 |
| न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 80 | 75 | 70 | 70 | 65 |
| हवा की गति (किमी प्रति घंटा) | 18.0 | 20.0 | 22.0 | 20.0 | 18.0 |
| पवन दिशा (डिग्री) | 140 | 90 | 140 | 90 | 140 |
| क्लाउड कवर (ओक्टा) | 8 | 7 | 6 | 7 | 6 |

## मौसम सारांश / चेतावनी:

अगले 5 दिनों के दौरान दिनांक 13-07-2022 से 17-07-2022 तक वर्षा की संभावना है। अगले पांच दिनों के दौरान हवा की गति 18 से 22 किमी प्रति घंटे रहने की संभावना है। इस दौरान अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेंटीग्रेड रहने का अनुमान है. अगले पांच दिनों में अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता 100 प्रतिशत और न्यूनतम 65 प्रतिशत रहेगी।

## सामान्य सलाहकार:

किसानों से अनुरोध है कि वे अपने मोबाइल पर स्थान विशेष के पूर्वानुमान के लिए मौसम ऐप डाउनलोडकरें(एंड्रॉयड:https://play.google.com/store/apps/details?id=com.imd.masuam)। आसमनी बिजली गिरने के दुष्प्रभावों से बचने के लिए दामिनी ऐप को डाउनलोड करें। यह ऐप बिजली गिरने की समय से पूर्व सूचना देने के साथ ही बचाव की जानकारी भी देता है (एंड्रॉयड:https://play.google.com/store/apps/detailsid=com.lightening.live.damini । गूगल प्ले स्टोर से इसे मुफ्त में डाउनलोड कर सकते हैं। किसानों से यह भी अनुरोध किया जाता है कि वे मौसम संबंधी कृषि सलाह के लिए अपने मोबाइल पर मेघदूत ऐप डाउनलोड करें (एंड्रॉ यड: https://play.google.com/store/apps/details?id=com.aas.meghdoot) । कोविड़-19 के गंभीर फैलाव को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि कृषि कार्यों के दौरान भारत सरकार द्वारा समय-समय पर दिये गये दिशा निर्देशों जैसे- व्यक्तिगत स्वच्छता, मास्क का उपयोग, समय- समय पर साबुन से हाथ धोना तथा एक दूसरे से सामाजिक दूरी बनाये रखे आदि।

## लघु संदेश सलाहकार:

पूर्वानुमान को देखते हुए किसानों को मौसम की स्थिति को देखते हुए कृषि कार्य करने की सलाह दी जाती है।

## फ़सल विशिष्ट सलाह:

| फ़सल | फ़सल विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| ज्वार | यह समय चारे के लिए ज्वार की बुवाई के लिए उप्युक्त हैं अतः किसान पूसा चरी-9, पूसा चरी-6 या अन्य सकंर किस्मों की बुवाई करें बीज की मात्रा 40 किलोग्राम/हैक्टर रखें तथा लोबिया की बुवाई का भी यह उप्युक्त समय है। |

## पशुपालन विशिष्ट सलाह:

| पशुपालन | पशुपालन विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| भेंस | वर्षा ऋतु का समय है पशुओं में मुह्खुर पका व गलघोटू का टीकाकरण अवश्य करवाएं। टीकाकरण से पहले कृमिनाशक दवा देकर अपने पशुओं को सुरक्षित रखें। सुखा चारा जमीन से उचाई पर रखे जिससे चारा बारिश में नमी न पकडे । |

## अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

| अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) | अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| सामान्य सलाह | वर्षा के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए सभी किसानों को सलाह है की खड़ी फसलों व सब्जी नर्सरी में जल निकास का उचित प्रबंधन रखे। |
| पौध - संरक्षण | जिन किसानों की धान की पौधशाला लग गयी हो वे बकानी रोग के लिए पौधशाला की निगरानी करते रहें तथा लक्षण पाये जाने पर कार्बेन्डिजम 2.0 ग्राम/लीटर पानी घोल कर छिडकाव करें। |
| पौध - संरक्षण | धान की पौधशाला मे यदि पौधों का रंग पीला पड रहा है तो इसमे लौह तत्व की कमी हो सकती है। पौधों की ऊपरी पत्तियॉ यदि पीली और नीचे की हरी हो तो यह लौह तत्व की कमी दर्शाता है। इसके लिए 0.5 % फेरस सल्फेट +0.25 % चूने के घोल का छिडकाव करें। |
| कृषि क्षेत्र | यह समय मिर्च, बैंगन व फूलगोभी (सितम्बर में तैयार होने वाली किस्में) की पौधशाला बनाने के लिए उपयुक्त है। किसान भाई पौधशाला में कीट अवरोधी नाईलोन की जाली का प्रयोग करें, ताकि रोग फैलाने वाले कीटों से फसल को बचा सकें। पौधशाला को तेज धूप से बचाने के लिए छायादार नेट द्वारा 6.5 फीट की ऊँचाई पर ढक सकते है। बीजों को केप्टान (2.0 ग्राम/ कि.ग्रा बीज) के उपचार के बाद पौधशाला में बुवाई करें। |
| सामान्य सलाह | जिन किसानों की मिर्च, बैंगन व फूलगोभी की पौध तैयार है, वे मौसम को मध्यनजर रखते हुए रोपाई की तैयारी करें। |
| कृषि क्षेत्र | कद्दूवर्गीय सब्जियों की वर्षाकालीन फसल की बुवाई करें लौकी की उन्नत किस्में पूसा नवीन,पूसा समृद्धि करेला की पूसा विशेष, पूसा दो मौसमी, सीताफल की पूसा विश्वास, पूसा विकास तुरई की पूसा चिकनी धारीदार, तुरई की पूसा नसदार तथा खीरा की पूसा उदय, पूसा बरखा आदि किस्मों की बुवाई करें। |
| पौध - संरक्षण | मिर्च के खेत में विषाणु रोग से ग्रसित पौधों को उखाड़कर जमीन में गाड़ दें। उसके उपरांत इमिडाक्लोप्रिड @ 0.3 मि.ली./लीटर की दर से छिड़काव करें। |
| सामान्य सलाह | फलों के नऐ बाग लगाने वाले गड्ढों की खुदाई कर उनको खुला छोड दें ताकि हानिकरक कीटो-रोगाणु तथा खरपतवार के बीज आदि नष्ट हो जावें। |
| भूमि की तैयारी | देशी खाद (सड़ी-गली गोबर की खाद, कम्पोस्ट) का अधिकाधिक प्रयोग करें ताकि भूमि की जल धारण क्षमता और पोषक तत्वों की मात्रा बढ़ सके। मृदा जाचँ के उपरांत उवर्रको की संतुलित मात्रा का उपयोग करें खासतौर पर पोटाश की मात्रा बढ़ाएं ताकि पानी की कमी के दौरान फसल की सूखे से लड़ने की क्षमता बढ़ सके। वर्षा आधारित एवं बारानी क्षेत्रों में भूमि मे नमी संचयन के लिए पलवार(मलचिंग) का प्रयोग करना लाभदायक होगा। |